भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1573

उत्तर देने की तारीख 09 फरवरी, 2026
20 माघ, 1947 (शक)

सेवानिवृत्त खिलाड़ियों के लिए वित्तीय सहायता

1573. श्री शफी परम्बिल:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार के पास उन सेवानिवृत्त खिलाड़ियों की सहायता के लिए कोई वित्तीय सहायता योजना है जिनके पास कोई सरकारी नौकरी नहीं है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो देश में संघर्षरत सेवानिवृत्त खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता न दिए जाने के क्या कारण हैं?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (ग): जी, हां। 'मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन हेतु खेल निधि स्कीम' नामक एक स्कीम पहले से ही विद्यमान है जिसके अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के लिए पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सक्रिय खेल करिअर से सन्यास लेने के उपरांत अतिरिक्त वित्तीय सहायता हेतु आजीवन पेंशन दी जाती है। वर्तमान स्कीम के अंतर्गत पूर्व-खिलाड़ियों को प्रति माह 12,000/- से 20,000/- तक की मासिक पेंशन दी जाती है।

कालान्तर में पूर्व-खिलाड़ियों को दी जाने वाली पेंशन की राशि में समय-समय पर वृद्धि की गई है। पेंशन की वर्तमान दरें निम्नानुसार हैं:-

क्र. सं.	**मेधावी खिलाड़ियों का वर्ग**	**पेंशन की दर (रु./प्रति माह)**
1	ओलिंपिक खेल / पैरा ओलंपिक खेलों के पदक विजेता	20,000

2	ओलंपिक और एशियाई खेल विधाओं में विश्व कप / विश्व चैम्पियनशिप* के स्वर्ण पदक विजेता	16,000
3	ओलंपिक और एशियाई खेल विधाओं में विश्व कप के रजत एवं कांस्य पदक विजेता	14,000
4	एशियाई खेलों / राष्ट्रमंडल खेलों / पैरा एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता	14,000
5	एशियाई खेलों / राष्ट्रमंडल खेलों / पैरा एशियाई खेलों के रजत एवं कांस्य पदक विजेता	12,000

* केवल वे विश्व कप / विश्व चैम्पियनशिप, जो प्रत्येक चार वर्ष में एक बार आयोजित होती हैं, पर विचार किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, मंत्रालय द्वारा आरईएसईटी कार्यक्रम कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पीढ़ियों के बीच की दूरी को कम करना है ताकि सन्यास ले चुके खिलाड़ियों के विशिष्ट कौशलों का लाभ नई पीढ़ी के उभरते खिलाड़ियों को मिल सके। उनका समृद्ध अनुभव भावी चैंपियनों को तैयार करने की नींव के रूप में कार्य करता है, जिससे भारत में खेलों के विकास को बढ़ावा मिलता है तथा राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया को सुदृढ़ किया जाता है।

*****